भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
तारांकित प्रश्न सं. 379 का उत्तर

बिहार में नया रेल नेटवर्क

***379. श्री अभय कुमार सिन्हा:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का बिहार में रेल नेटवर्क का विस्तार करने के लिए नई योजनाएं शुरू करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान बिहार में कितने किलोमीटर रेलपथ का दोहरीकरण एवं विद्युतीकृत किया गया तथा कितने किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गईं और तत्संबंधी परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का "अमृत भारत स्टेशन योजना" के तहत औरंगाबाद सहित बिहार के प्रमुख रेलवे स्टेशनों को विकसित करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 26.03.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 379 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएँ राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम स्थान तक संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों एवं वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 79,356 करोड़ रु. की लागत वाली 5,064 किलोमीटर कुल लंबाई की 55 परियोजनाएं (31 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) हैं जो योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरणों में हैं, जिनमें से मार्च, 2024 तक 1194 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 26,983 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	31	2712	464	13629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1520
दोहरीकरण/ मल्टी-ट्रैकिंग	22	2005	442	11834
कुल	55	5064	1194	26983

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

अवधि	परिव्यय
2009-14	1132 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2025-26	10,066 करोड़ रु.(लगभग 9 गुना)

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार हैः-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 किलोमीटर	63.6 किलोमीटर
2014-24	1669 किलोमीटर	166.9 किलोमीटर (2.5 गुना से अधिक)

बिहार में हाल ही में कमीशन की गई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (कि.मी. में)
1	कोसी ब्रिज	22
2	पटना ब्रिज	28
3	मुंगेर ब्रिज	15
4	दनियावां-बिहारशरीफ नई लाइन	38
5	जमालपुर-मुंगेर नई लाइन	8

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (कि.मी. में)
6	चंदन- बांका नई लाइन	40
7	मंदारहिल-दुमका-रामपुरहाट नई लाइन	130
8	महाराजगंज-मसरख नई लाइन	35
9	राजगीर-हिसुआ-तिलैया नई लाइन	46
10	नटेसर-इस्लामपुर नई लाइन	21
11	छपरा ग्रामीण से खैराली नई लाइन	11
12	दुमका के रास्ते रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन	130
13	मानसी-सहरसा-पूर्णिया आमान परिवर्तन	141
14	कप्तानगंज-थावे-छपरा आमान परिवर्तन	234
15	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज आमान परिवर्तन	260
16	बनमखी-बिहारीगंज आमान परिवर्तन	28
17	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज आमान परिवर्तन	260
18	नरकटियागंज-भिखना टोरी आमान परिवर्तन	35
19	सकरी-लौकाहा बाजार-निर्मली एवं सहरसा-फारबिसगंज आमान परिवर्तन	206
20	साहिबगंज-पीरपैंती दोहरीकरण	23
21	महेशकुंट-थानाबिहपुर दोहरीकरण	32
22	हाजीपुर-रामदयालुनगर दोहरीकरण	48
23	पीरपैंती-भागलपुर दोहरीकरण	51
24	बख्तियारपुर-बाढ़ दोहरीकरण	19
25	हाजीपुर-बछवाड़ा दोहरीकरण	72

इसके अतिरिक्त, लुधियाना से सोननगर (1337 किमी) तक पूर्वी समर्पित माल यातायात गलियारे को भी कमीशन किया गया है। इस माल यातायात गलियारे का एक महत्वपूर्ण खंड बिहार से होकर गुजरता है।

पिछले तीन वर्षों (अर्थात 2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और वर्तमान वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25) के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुल 77 सर्वेक्षण कार्य (13 नई लाइन, 64 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई 4200 किलोमीटर है।

औरंगाबाद के लिए रेल संपर्कता मुहैया कराने के लिए, 440.59 करोड़ रुपये की लागत पर अनुग्रह नारायण रोड से औरंगाबाद (13 किलोमीटर) नई लाइन खंड, बिहटा-औरंगाबाद नई लाइन के एक भाग के कार्यों को हाल ही में स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना में पहली बार औरंगाबाद में नए रेलवे स्टेशन का निर्माण शामिल है।

बिहार राज्य में स्थित बड़ी लाइन (बीजी) नेटवर्क को 100% विद्युतीकृत कर दिया गया है। पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष में 1,573 मार्ग कि.मी. बड़ी लाइनों को विद्युतीकृत किया गया है।

<u>स्टेशनों का पुनर्विकास:</u>

अमृत भारत स्टेशन योजना में निरंतर आधार पर एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में प्रत्येक ऐसे स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशनों तक पहुंच, परिचलन

क्षेत्र, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकता अनुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर, स्वच्छता, निःशुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणालियों, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यापारिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें विभिन्न चरणों में कार्यान्वित करना शामिल है।

इस योजना में स्टेशन इमारत में सुधार, शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन को जोड़ने, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान, आवश्यकता के अनुसार लंबी अवधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर की चरणबद्ध योजना व व्यवहार्यता और निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें से 98 स्टेशन बिहार राज्य में स्थित हैं, जिनमें अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन भी शामिल है। अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन पर विकास संबंधी कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान की जा चुकी हैं और कार्य शुरू किए गए हैं। दो लिफ्टें लगाई गई हैं और कमीशन कर दी गई हैं। नए ऊपरी पैदल पुल की नींव का कार्य पूरा हो चुका है और परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय, आदि के सुधार के लिए कार्य शुरू किए गए हैं।

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास कार्यों के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगुसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, डलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, धोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झांझरपुर, कहलगांव, करहगोला रोड, कटिहार, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीसराय, लखमीनिया, मधुबनी, महेशखूंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहेबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर तेज गति से विकास कार्य शुरू किए गए हैं। उदाहरण के लिए,

- गया स्टेशन पर, पश्चिमी छोर का प्रस्थान और आगमन भवन, पूर्वी छोर का प्रस्थान भवन, पूर्वी छोर का तीर्थयात्री भवन और मल्टी-लेवल दोपहिया पार्किंग के संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और एयर कॉनकोर्स, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, आदि के निर्माण के कार्य शुरू किए गए हैं।

- मुजफ्फरपुर स्टेशन पर, नए संयुक्त टर्मिनल भवन, दक्षिणी छोर पर आगमन ब्लॉक भवन, बुकिंग काउंटर, कार्यालय भवनों के संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और नए ऊपरी पैदल पुल, प्रस्थान ब्लॉक, एलिवेटेड सड़कों, आदि के निर्माण के कार्य शुरू किए गए हैं।

- बापूधाम मोतीहारी स्टेशन पर दोनों ओर स्टेशन भवनों का संरचनात्मक कार्य, पश्चिमी छोर पर आगमन भवन, आवासीय ब्लॉक, दूरसंचार भवन, आदि के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

- सहरसा स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य जिसमें नया प्रतीक्षालय और शौचालय ब्लॉक, पार्किंग क्षेत्र और प्रवेश द्वार में सुधार कार्य पूरा किया जा चुका है और नए ऊपरी पैदल पुल, बाउंड्री दीवार, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर, स्टेशन भवन के विद्युत संबंधी कार्य, आदि के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

- सलौना स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, पार्किंग क्षेत्र, सड़क कार्य और प्लेटफॉर्म संख्या 2 की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य पूरा किया जा चुका है और नए ऊपरी पैदल पुल के निर्माण, प्लेटफॉर्म संख्या 1 की ऊंचाई बढ़ाने, आदि के कार्य शुरू किए गए हैं।

- बनमनखी स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और नए ऊपरी पैदल पुल, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, आदि के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार या राज्य-वार। बिहार राज्य चार जोनों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के तहत आता है। इन जोनों के लिए योजना शीर्ष-53 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2,111 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

*****